जयंती

नर्मदा घाटों में उमड़ा आस्था का जन सैलाब, सुबह से लेकर देर रात तक घाटों पर लगी रही भक्तों की भीड़

नर्मदा प्रकट्योत्सव पर संस्कारधानी में गूंजा नर्मदे हर

नवभारत, जबलपुर। जीवन दायिनी मां नर्मदा जी के प्राकट्योत्सव को लेकर सुबह से लेकर देर रात तक मां नर्मदा जी के भक्तों का जन सैलाब नर्मदा घाटों पर देखने को मिला। जिसमें लोग सुबह-सुबह ब्रह्म मुहूर्त में ही मां नर्मदा जी के घाटों पर पहुंचकर पूजन- अर्चन करने लगे थे।

यह सिलसिला पूरे दिन तक जारी रहा। जिसमें लाखों की संख्या में भक्त नर्मदा जी के दर्शन को पहुंचे और जिसमें भक्तों ने दर्शन कर विधि विधान से पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सजावट बनी आकर्षण का केंद्र-मां नर्मदा जी के प्रकट उत्सव को लेकर नर्मदा घाटों पर एक से बढ़कर एक साज- सज्जा की गई थी। जिसमें मां नर्मदा जी के मंदिर में एलईडी लाइटिंग के साथ तरह-तरह के फूलों से पूरे मंदिर को सजाया गया था। वहीं घाट पर भी आकर्षण लाइटिंग और एलईडी स्क्रीन लगी हुई थी, साथ ही पूरे नर्मदा घाटों को सजाया गया था। जिससे मां नर्मदा जी का स्वरूप लोगों को देखते ही बन रहा था।

पूरे शहर में भंडारा और प्रसाद वितरण-संस्कारधानी की जीवन रेखा और जीवन दायिनी मां नर्मदा के प्रकट उत्सव को जबलपुर में एक अलग ही स्वरुप में मनाया जाता है। लोगों के अंदर मां नर्मदा जी के प्रति भक्ति और आस्था देखने को मिलती है। वहीं नर्मदा जी के प्रकट उत्सव को लेकर सुबह से लेकर से ही जगह-जगह भंडारे और प्रसाद वितरण का का सिलसिला शुरू हो गया था, जो की देर रात तक शहर की मुख्य सड़कों और गली- मोहल्लों के अंदर हर कदम पर मां नर्मदा जी की पूजन-अर्चन के साथ लोगों द्वारा भंडारा और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

कलेक्टर- एसपी पहुंचे गौरीघाट, लिया जायजा

मां नर्मदा के पावन प्राकट्योत्सव पर गौरीघाट में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने नर्मदा जी के दर्शन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने गौरीघाट में पार्किंग, श्रद्धालुओं के आवागमन, सुरक्षा, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की। मौके पर मौजूद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि नर्मदा प्राकट्योत्सव शांति, सौहार्दपूर्ण और निर्विघ्न तरीके से संपन्न हो।

निर्झरणी महोत्सव में बही भक्ति-लोकसंगीत की निर्झर धारा

माँ नर्मदा के पावन तट पर निर्झरणी महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग, जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (जेएटीसीसी) तथा नगर परिषद भेड़ाघाट के सहयोग से हुआ। शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी, सीएमओ विक्रम झरिया एवं जेएटीसीसी नोडल अधिकारी राजीव मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। लोकगायक राजेश दुबे (नरसिंहपुर) एवं साथियों ने 'नरमदा मइया ऐसी मिली रे...' सहित नर्मदा भक्ति गीतों से समा बांधा। इसके बाद भुवनेश्वर की शर्मिष्ठा रानी पांडा एवं साथियों ने नर्मदाष्टकम पर आधारित ओडिसी नृत्यनाटिका प्रस्तुत किया।

वाहनों का लगा रहा जखीरा, यातायात पुलिस ने संभाला

नर्मदा जी के दर्शन को लेकर लाखों की संख्या में भक्ति नर्मदा घाटों पर पहुंच रहे थे। जिससे मुख्य तौर पर गौरीघाट में लोगों की सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिली थी। वहीं रात के समय शास्त्री ब्रिज,गोरखपुर बाजार, रामपुर चौराहा, बादशाह हलवाई मंदिर आदि सभी जगह पर वाहनों की लंबी कतार देखने को मिली। इसके साथ ही भेड़ाघाट, तिलवारा घाट,सरस्वती घाट, पंचवटी आदि सभी जगह पर नर्मदा भक्तों का तांता लग रहा। भक्तों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए जाम की स्थिति ना बने, इसको लेकर यातायात पुलिस अधीक्षक अंजना तिवारी, डीएसपी संतोष कुमार शुक्ला, डीएसपी बैजनाथ प्रजापति सहित पूरे यातायात पुलिस बल ने मोर्चा संभाला रखा।

मां नर्मदा का रथ खींच पहुंचे मंत्री, 351 फीट चुनरी की अर्पित

मां नर्मदा प्राकट्योत्सव के अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने रेतनाका से गौरीघाट तक मां नर्मदा की रथयात्रा नंगे पैर खींचते हुए निकाली। गौरीघाट उमाघाट पर उन्होंने संतों के सानिध्य में मां नर्मदा का पूजन-अर्चन व आरती की तथा उमाघाट से गुरुद्वारे तक 351 फीट चुनरी अर्पित की। इस अवसर पर दंडी स्वामी कलिकानंद महाराज, स्वामी गिरीशानंद महाराज, जगद्गुरु स्वामी नरसिंहदेवाचार्य महाराज, स्वामी मुकुंददास महाराज, स्वामी पगलानंद महाराज, रामभारती महाराज, स्वामी केवलपुरी जी महाराज एवं ज्ञानेश्वरी दीदी का सानिध्य रहा। रथयात्रा में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, प्रदेश कोषाध्यक्ष संतोष बरकड़े, अखिलेश जैन सहित जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता शामिल हुए। मातृ शक्ति द्वारा कलश यात्रा, बैंडदल, धमाल व दुलदुल घोड़ी नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे।

'यद् भावं तद् भवति' के मंत्र से गूंजी संस्कारधानी

मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज के सान्निध्य में 20 हजार लोगों ने अपनाया भावनायोग

नवभारत, जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में रविवार को भावनायोग का ऐतिहासिक एकदिवसीय आयोजन संपन्न हुआ। पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में आयोजित इस विराट कार्यक्रम में मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज के पावन सान्निध्य में लगभग 20 हजार नागरिकों ने सहभागिता कर 'यद् भावं तद् भवति' मंत्र के साथ सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का आयोजन जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) एवं जबलपुर दिगम्बर जैन युवा महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य का जीवन भावनाओं से संचालित होता है—जैसी भावना, वैसा ही परिणाम। भावनायोग के नियमित अभ्यास से क्रोध करुणा में, अशांति शांति में और नकारात्मकता सकारात्मक ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। उन्होंने बताया कि भावनायोग जैन आचार्य परंपरा पर आधारित है और इसके चार प्रमुख अंग हैं—प्रार्थना, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और सामायिक। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के ग्रामीण एवं पंचायत विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, विधायक अभिलाष पांडे, विधायक अशोक रोहाणी, महापौर जगत बहादुर सिंह अनु, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू बिज, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, वरिष्ठ भाजपा नेता सुधांशु गुप्ता, पूर्व विधायक विनय सक्सेना सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नवभारत संपादक का सम्मान

दोपहर 3 बजे डीएन जैन महाविद्यालय में आयोजित शंकासमाधान कार्यक्रम के पूर्व नवभारत के संपादक अविनाश दीक्षित का मुनिश्री के सानिध्य में जैन समाज के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया।

सवा लाख रुद्राक्ष वितरण आज

नवभारत, जबलपुर। मदर टेरेसा नगर में श्री परिवार द्वारा आयोजित 108 कुंडी महामृत्युंजय यज्ञ एवं देवी महापुराण के अष्टम दिवस पर आज सवा लाख वेद मंत्रों से पूजित रुद्राक्ष का वितरण किया जाएगा। डॉ. एल.बी. सिंह चंदेल (बेटू) ने बताया कि यह आयोजन श्रद्धालुओं के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आरोग्य प्रदान करेगा। आयोजक समिति ने अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता का आह्वान किया है।

संगीतमय श्री राम कथा का आयोजन 28 से

नवभारत, जबलपुर। ग्राम आगासौद पाटन रोड में पाँच दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन 28 जनवरी से 1 फरवरी तक आयोजित है। पाँच दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक कथा व्यास श्री जगदगुरु विष्णु देवाचार्य जी महाराज मिथिला पीठाधीश्वर मंदिर नेपाल एवं संध्या तिवारी मानस मोहनी ओरछा म.प्र. राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रवचन कर्ता रामरस की वर्षा करेंगे। यह आयोजन श्री रामायण मंडल आगासौद के तत्वाधान में किया जाएगा। 28 जनवरी को भव्य कलश यात्रा के साथ 11 वाँ वर्ष की राम कथा की शुरुआत होगी। आयोजक मंडल के वरिष्ठ सदस्य सुरेन्द्र सिंह राजपूत, सुनील पटेल, अशोक सिंह, मंगल सिंह, प्रभुसिंह मदन दाहिया आदि ने सभी कथा प्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थिति शामिल होने की अपील की है।

गुर्जर समाज के मिलन समारोह में हुआ सुंदरकांड पाठ

नवभारत, जबलपुर। नर्मदा जयंती के पावन अवसर पर गुर्जर समाज जबलपुर का वार्षिक मिलन समारोह नेमा समाज भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहर की प्रतिष्ठित आध्यात्मिक संस्था मानस संकीर्तन मंडल द्वारा विशाल सुंदरकांड पाठ किया गया। मानस संकीर्तन मंडल के संयोजक देवेंद्र नेमा के नेतृत्व में आयोजित इस सुंदरकांड से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में मंगलसिंह पटेल, प्रवीण नेमा, रमेश दुबे, संदीप नेमा, प्रदीप नेमा, वरुण तिवारी, विष्णु लखेरा, प्रदीप सोनी, कौस्तुभ नामदेव, अजय सोनी, विशाल पंड्या, विशाल निगम सहित सैकड़ों समाजजन, मातृशक्ति एवं बच्चे उपस्थित रहे।